Prabhat Khabar (Date: - 14/09/2019)

योजना. जल-जीवन-हरियाली मिशन तीन साल में पूरा क

पानी बचाने व हरियाली पर खर्च होंगे 24 हजार व

पटना . राज्य सरकार ने अपनी फ्लैगशिप योजना जल-जीवन-हरियाली का पूरा खाका तैयार कर लिया है . ि चलायी जाने वाली इस योजना में 12 विभागों को जिम्मेदारी सौंपी गयी है . तीन सालों में निर्धारित लक्ष्य को पूरा रखा गया है . तीन सालों में इस मिशन के सभी कार्यों को पूरा करने के लिए 24 हजार 524 करोड़ रुपये के खर 2019-20 में पांच हजार 870 करोड़, 2020-21 में नौ हजार 874 और 2021-22 में आठ हजार 780 करोड़ जायेंगे . हालांकि, कैबिनेट के स्तर पर अभी इस प्रस्ताव पर अंतिम रूप से मुहर लगनी बाकी है . इस बात की भ रही है कि बजट और राजस्व संग्रह की स्थिति को देखते हुए इस खर्च में छह से सात हजार करोड़ की कटौती ह

इतनी संख्या में काम करायेंगे ये वि

तालाब, आहर, पइन, पोखर का जीर्णोद्धार

(तीन साल में 62 हजार 412 का होगा निर्माण या जीर्णोद्धार)

● ग्रामीण विकास विभाग (आरडीडी) 30 हजार, लघु जल संसाधन विभाग 31 हजार 462 तथा शहरी विकास एवं आवास विभाग को 950 का जीर्णोद्धार कराना है.

सार्वजनिक कुओं को किया जायेगा जीवित

(81 हजार 201)

● शहरी विकास विभाग छह हजार 201 और पीएचइडी 75 हजार को फिर से करेंगे जीवित.

कुआं, चापाकल, नलकूप के किनारे सोख्ता या जल रिचार्ज का निर्माण

(तीन लाख 14 हजार 960)

● ग्रामीण विकास विभाग को दो लाख 50 हजार, लघु जल संसाधन विभाग को 10 हजार और शहरी विकास विभाग 54 हजार 960 की संख्या में करायेंगे निर्माण.

छोटी नदियों, नालों व पहाड़ी क्षेत्रों में जल संग्रह के लिए चेकडैम एवं अन्य संरचनाओं का निर्माण

(65 हजार 697 का निर्माण)

● ग्रामीण विकास विभाग 15 हजार, लघु जल संसाधन 697 और पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग 50 हजार का निर्माण करायेंगे.

वैकल्पिक फसल, ड्रिप सिंचाई, जैविक खेती

● कृषि विभाग 30 हजार एकड़ खेतों में जल संरक्षण से फसल, बागवानी, वानिकी विकास ● 60 हजार एकड़ में जैविक खेती शुरू कराने की योजना. तीन साल के दौरान 20-20 हजार एकड़ में करायी जायेगी खेती ● 43 हजार 245 हेक्टेयर खेतों में ड्रिप सिंचाई से पटवन की व्यवस्था.

सौर ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहन

● सरकारी भवनों पर तीन सालों के दौरान 20-20 मेगावाट बिजली यानी 60 मेगावाट बिजली उत्पादन का लक्ष्य.

● इसी तरह निजी भवनों से तीन साल के दौरान 20-20 मेगावाट बिजली यानी 60 मेगावाट बिजली उत्पादन का लक्ष्य.

1 सं
लि
निर्धारित

2 कै
मु
होंगे पैर

नये ज

(32 हजा

प्रोजेक्ट औ
हजार 139

रेनवाटर

(एक लार निर्माण)

922, शिक्ष
स्वास्थ्य वि

पौधारो

(सात कर

लगायेगा.

पितृपक्ष मेला • **परिवहन मंत्री संतोष कुमार निराला ने किया बस सेवा का उद्घाटन**

40 हजार तीर्थयात्रियों ने किये पिंडदान व तर्प

संवाददाता ▸ गया

पितृपक्ष मेले के पहले दिन 40 हजार तीर्थयात्रियों ने देवघाट पर पिंडदान व फल्गु नदी में तर्पण किया. 17 दिवसीय श्राद्ध कार्य के लिए गयाजी पहुंचे श्रद्धालु पहले दिन भाद्रपद शुक्ल पक्ष चतुर्दशी के दिन गुरुवार को पुनपुन नदी में पिंडदान व तर्पण के साथ शुरुआत की. शुक्रवार को गयाजी में पिंडदान व तर्पण किया. शनिवार यानी आश्विन कृष्ण पक्ष प्रतिपदा के दिन प्रेतशिला जाकर पिंडदान व ब्रह्मकुंड में तर्पण करेंगे. वहीं, शहर में चलनेवाली सिटी रिंग बस सेवा का उद्घाटन परिवहन मंत्री संतोष कुमार निराला ने शुक्रवार को विष्णुपद मंदिर के पास से किया. इस मौके पर मंत्री ने कहा कि पितृपक्ष मेले के अवसर पर देश के विभिन्न राज्यों से आये हुए श्रद्धालुओं को सुलभ, सस्ती और सुरक्षित परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी परिवहन विभाग की है.

कभी थीं 365 पिंडवेदियां, अब सिर्फ 45 वेदियां व सरोवर : गया में 365 पिंडवेदियां व सरोवर थे, जहां पहले सालोंभर रह कर हर रोज एक-एक जगह पिंडदान व तर्पण का विधान था. लेकिन, बदलते परिवेश और अतिक्रमण या अन्य कारणों से पिंडवेदियां व सरोवर विलुप्त हो गये. फिलहाल 45 पिंडवेदियां व सरोवर बचे हैं, जहां वर्तमान में पिंडदान व तर्पण होता है. जिन श्रद्धालुओं के पास समय और धन दोनों हैं और अपने पितरों के प्रति अगाध श्रद्धा है, वह गयाजी में 17 दिनों तक रह कर पिंडदान व तर्पण करते हैं.

रूस की दो महिलाओं ने किया पिंडदान

पितृपक्ष के शुरू होते ही शुक्रवार को रूस से आयीं दो महिलाओं ने पिंडदान किया. जूलिया कुदरिना व इस्लामोभा वेनिरा नाम की इन दोनों महिलाओं ने विष्णुपद मंदिर प्रांगण में पूरे विधि-विधान के साथ पिंडदान किया. रूस से आयीं इन महिलाओं ने कहा कि रूस के लोग भारत के वैदिक धर्म से बहुत प्रभावित हैं. वहां भी लोग मानते है कि पितरों की आत्मा की शांति और प्रेत-बाधाओं से मुक्ति के लिए पिंडदान अत्यंत आवश्यक है. यही कारण है कि विदेशियों में भी अपने पितरों के लिए पिंडदान करने के प्रति विश्वास बढ़ा है. महिलाओं ने कहा कि उनके देश में लोग इस पर जब अध्ययन करते हैं तो सभी पाते है गया जी ही वह स्थान है, जहां पितरों की आत्मा को मुक्ति और शांति मिलती है. रूसी महिलाओं को पिंडदान का पूरा कर्मकांड ब्रजेश पांडेय ने पूर्ण कराया. पिंडदान के बाद दोनों महिलाओं ने विष्णुपद मंदिर का भ्र किया. इस दौरान नगर निगम द्वा लगाये गये फोटो बूथ में बैठ कर प भी क्लिक कराया.

पिंडदान करतीं जुलिया कुदरिना व इस्लामोभा वेनिरा.

Prabhat Khabar (Date: - 14/09/2019)

इसका इलाज भी बहुत आसान है.

केबीसी

एक करोड़ जीतने वाले सनोज राज ने बताया

सनोज बनना चाहते हैं आइएएस

प्रभात खबर इंटरव्यू

बिहार के जहानाबाद के सनोज राज कौन बनेगा करोड़पति के 11वें सीजन के पहले करोड़पति बन चुके हैं. उन्होंने एक करोड़ की राशि इस मंच से जीती है. अब वह आगे पढ़ाई कर आइएएस अधिकारी बनना चाहते हैं. पेश है सनोज की उर्मिला कोरी से हुई बातचीत के प्रमुख अंश.

■ 'कौन बनेगा करोड़पति' के आप विनर होंगे. क्या हॉट सीट पर जाने से पहले सोचा था?

एक सपने के सच होने जैसा लग रहा है. इस सीजन का पहला करोड़पति बनूंगा सोचा नहीं था पर हां, अपनी पढ़ाई पर इतना विश्वास था कि मैं यहां से अच्छी खासी राशि जीत कर जाऊंगा. जिस तरह से मैंने पढ़ाई की है. मैं सिविल सर्विसेज की तैयारी कर रहा हूं. उसके लिए काफी कुछ पढ़ना पड़ता है.

■ अब आपकी क्या प्लानिंग है

जल्द ही सिविल सर्विसेज की परीक्षा शुरू हो जायेगी. आइएएस मेन का एग्जाम दूंगा. यूपीएससी की ही मुझे तैयारी करनी है.

■ केबीसी वीनर हर्षवर्द्धन नवाथे और सुशील कुमार ये दोनों भी आइएएस ऑफिसर बनना चाहते थे लेकिन केबीसी के बाद मिली प्रसिद्धि में उनका सपना पीछे छूट गया.

मैं जो बनना चाहता हूं, वो आज या कल का सपना नहीं है. मेरा सालों पुराना सपना है. इसके लिए लगातार मेहनत कर रहा हूं. मैं अपने सपने को पूरा कर के रहूंगा. मुझे यकीन है कि केबीसी की इतनी प्रसिद्धि के बाद भी खुद को ग्राऊंडेड रख पाऊंगा. मुझे आइएएस बनाने के लिए मेरे पिता ने बहुत संघर्ष किया है. मैं चाहता हूं कि मैं पूरी तरह से सिविल सर्विसेज की तैयारी में जुट जाऊं. मैंने जॉब के साथ भी पढ़ाई की है. दो साल से दिल्ली में सहायक कमांडेंट के पद पर काम कर रहा हूं. शायद सिर्फ पढ़ाई करता तो अब तक जरूर सेलेक्ट हो जाता. केबीसी की इस रकम से पिताजी को मदद मिलेगी और मैं अपना पूरा ध्यान अब अपनी तैयारी पर लगा सकता हूं.

■ बिहार की शिक्षा व्यवस्था पर सवाल पर अक्सर सवाल उठाये जाते हैं?

हां, बिहार के सरकारी स्कूलों की एजुकेशन सिस्टम तो सही नहीं है. प्राइवेट स्कूल अच्छे हैं. पिछले कुछ समय से सरकारी स्कूलों में भी सुधार देखने को मिल रहा है, लेकिन अभी बहुत काम करने की जरूरत है. मैंने दसवीं तक प्राइवेट स्कूल में पढ़ाई की है फिर गवर्मेंट कॉलेज में एडमिशन लेना पड़ा.

■ आप पिछले कितने सालों से केबीसी में किस्मत आजमा रहे थे. क्या आप अमिताभ बच्चन को देखकर क्या नर्वस थे?

पिछले सात-आठ साल में केबीसी के जितने भी सीजन आये हैं. मैं सबके लिए ट्राय करता था. अमिताभ बच्चन को देखकर शुरुआत में नर्वस था. सोच रहा था कि कैसे जवाब दूंगा. अच्छे से जवाब नहीं दे पाऊंगा, डर लग रहा था. लेकिन जैसे-जैसे गेम आगे बढ़ता गया मैं सहज होता गया. उन्होंने बहुत अच्छे तरीके से बात किया. ऐसा लगा ही नहीं कि मैं महानायक से मिल रहा हूं. उन्होंने मेरा काफी हौसला बढ़ाया और मैं आगे बढ़ता गया. उनसे मिलकर काफी अच्छा लगा.

■ आप पर्यावरण को लेकर भी काफी जागरूक हैं ?

मैं पर्यावरण को लेकर लोगों को अवेयर करना चाहता हूं. अभी मुझे प्रसिद्धि मिली है तो मैं जहां भी जाऊंगा इन चीजों के बारे में बात करूंगा. प्री प्लांटेशन जैसा मैं भी कुछ सोच रहा हूं. देखते हैं कितना तक आगे बढ़ पाता है. क्योंकि अभी एग्जाम भी शुरू होने वाला है.

■ एक करोड़ की इस इनामी राशि से आप क्या करने वाले हैं?

अभी तक मैंने कुछ तय नहीं किया है. घर जाऊंगा पापा के साथ डिस्कस करूंगा. मैं सिर्फ डिस्कस ही करूंगा. इन पैसों का क्या करना है क्या नहीं ये फैसला पापा ही लेंगे.

Prabhat Khabar (Date: - 14/09/2019)

कैंपस प्रभात

पटना, शनिव

14.09.201

बिहार बोर्ड. गवर्निंग बॉडी की बैठक में लिया गया निर्णय, छात्र होंगे पुरस्कृत

इस साल से ओलिंपियाड, 2020 से क्रॉसवर्ड टूर्नामेंट

संवाददाता ▸ पटना

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति स्टूडेंट्स के एक्स्ट्रा करिकुलर पर ध्यान देगी. इसी के तहत बोर्ड की ओर से ओलिंपियाड, क्विज व क्रॉसवर्ड कंपीटिशन का आयोजन किया जायेगा. इसका निर्णय शुक्रवार को बोर्ड के गवर्निंग बॉडी की बैठक में लिया गया. समिति के अध्यक्ष आनंद किशोर ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि ओलिंपियाड व क्विज कराने वाला यह पहला स्टेट बोर्ड है. बीएसइबी गणित, विज्ञान व अंग्रेजी में ओलिंपियाड परीक्षा, जबकि सामान्य ज्ञान व सामाजिक विज्ञान विषय में क्विज और क्रॉसवर्ड कंपीटिशन करायेगा. यह कंपीटिशन जिला, प्रमंडल और राज्य स्तर पर होगा. इस वर्ष प्रथम चरण में ओलिंपियाड परीक्षा व क्विज कंपीटिशन आयोजित होगा. द्वितीय चरण में अगले वर्ष 2020 क्रॉसवर्ड कंपीटिशन आयोजित किया जायेगा. ओलिंपियाड और क्विज संबंधित जानकारी अक्तूबर के पहले सप्ताह में जारी कर दी जायेगी. पहले साल यह कंपीटिशन केवल नौवीं और 11वीं के स्टूडेंट्स के लिए आयोजित होगा. 2020 से ओलिंपियाड और क्विज कंपीटिशन नौवीं, 10वीं, 11वीं और 12वीं के स्टूडेंट्स के लिए भी होगी. इसे दो भाग सीनियर और सीनियर सेकेंडरी में बांटा जायेगा. वहीं, क्रॉसवर्ड कंपीटिशन 2020 से शुरू होगा. कंपीटिशन के राज्य स्तरीय तीन विजेताओं को लैपटॉप, किंडल के साथ अन्य पुरस्कार और मेडल दिये जायेंगे.

मैथ, साइंस और सोशल साइंस के विषय में होंगे ओलिंपियाड

ओलिंपियाड मैथ, साइंस और अंग्रेजी विषय में होगा. क्विज का कॉमन स्वरूप रहेगा. आनंद किशोर ने कहा कि जिला के बाद प्रमंडल और प्रमंडल स्तर से राज्य स्तरीय कंपीटिशन के लिए चयनित स्टूडेंट्स को तैयारी के लिए पुस्तकें भी उपलब्ध करायी जायेंगी. स्टूडेंट्स बेहतर तैयारी करें इसका ध्यान रखा जायेगा. राज्य स्तरीय क्विज कंपीटिशन का लाइव प्रसारण भी होगा. बाहर से एक्सपर्ट भी बुलाया जायेगा. अक्तूबर में कैलेंडर जारी होगा और दिसंबर तक कंपीटिशन कराने की योजना है.

राज्य स्तर के विजेता को मिलेगा

लैपटॉप और किंडल: आनंद किशोर ने बताया कि नये एक्ट के लागू होने के कारण यह संभव हो पाया है. अब पढ़ाई के साथ-साथ एक्स्ट्रा करिकुलर पर भी ध्यान दिया जायेगा. ओलिंपियाड व क्विज कंपीटिशन तीन स्तर पर आयोजित होगा. पहला जिला स्तर, इसके बाद प्रमंडल व फाइनल राज्य स्तर पर कंपीटिशन आयोजित होगा. कंपीटिशन के नियम तैयार किये जा रहे हैं. इस संबंध में एक उप समिति बनायी गयी है. यह उप समिति जिला, प्रमंडल और राज्य स्तरीय कंपीटिशन की रूप रेखा तय करेगी. सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत करने की भी योजना है. राज्य स्तर पर विजेता को लैपटॉप और किंडल दिया जायेगा. बैठक में बोर्ड के अध्यक्ष आनंद किशोर, माध्यमिक शिक्षा निदेशक गिरिवर दयाल सिंह, मौलाना मजहरूल हक अरबी-फारसी यूनिवर्सिटी के प्रतिकुलपति प्रो एसएम रफीक आजम, नालंदा ओपेन यूनिवर्सिटी के प्रतिकुलपति प्रो कृतेश्वर प्रसाद, बिहार लोक सेवा आयोग के परीक्षा नियंत्रक अमरेंद्र कुमार, पीयू के परीक्षा नियंत्रक आरके मंडल, बिहार बोर्ड के सचिव प्रमोद कुमार मौजूद थे.

एसटी

तक क

पटना. बिहार बो
शिक्षक पात्रता प
के आवेदन की ति
बढ़ाकर 25 सितंबर
के अध्यक्ष आनंद
फॉर्म भरने में अगर
है तो अभ्यर्थी इस
सितंबर तक कर स
दिये गये यूजर आइ
इस्तेमाल करना हो

अब तक मिले 5

एसटीइटी के लिए
हुए आवेदन की प्र
तक 53,233 आ
पेपर वन के लिए
लिए 7,834 तथा
टू दोनों के लिए 6,
किये गये हैं. इसके
लोगों ने अब तक
इन लोगों ने अब त

Prabhat Khabar (Date: - 14/09/2019)